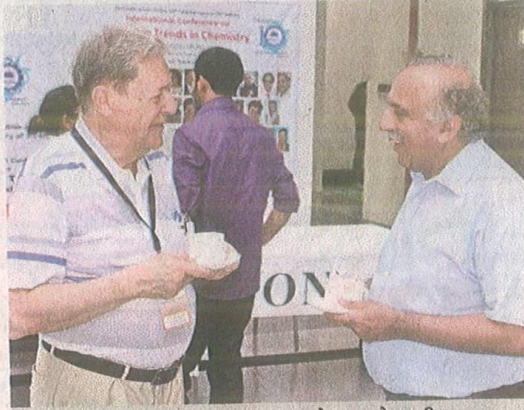


कार्बन डाईऑक्साइड गैस से बनाएंगे मिथेनॉल, यही होगा भविष्य का ईंधन : रिसर्चर्स



प्रो. मैग्गेल यूस के साथ IIT डायरेक्टर प्रो. प्रदीप माथुर

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

‘कार्बन डाई ऑक्साइड, पर्यावरण में एक अनउपयोगी गैस की तरह मौजूद है लेकिन वैज्ञानिक इस ग्रीन हाउस गैस को फ्यूचर फ्यूल में बदलने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका में एक मॉडल प्लांट तैयार किया गया है जिसमें वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड को ट्रैप कर मिथेनॉल में बदला जा रहा है। चाइना में एक ईंधन से गाड़ी चलाने पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत के असम राज्य में भी इसे स्टोव के ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।’

यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया के एमिनेंट रिसर्चर प्रोफेसर सूर्य प्रकाश ने ये जानकारी आईआईटी इंदौर में इमर्जिंग ट्रेंड्स इन केमिस्ट्री विषय पर चल रही इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन दी। इसी दिन नेशनल केमिकल

लेबोरेटरी पुणे के डायरेक्टर डॉ. स्वामी नाथन सिवराम ने भी संबोधित किया। उन्होंने सस्टेनेबल मटेरियल्स पर बात की। आईआईटी बांबे, कापनूर, आईएसीएस कोलकाता, आईआईएससी बेंगलूर और आईआईसीटी हैदराबाद के अलावा जर्मनी, स्पेन और यूएसए के एक्सपर्ट्स ने भी लेक्चर दिए। पोस्टर सेशन में पूरे देश से आए रिसर्च स्कॉलर्स ने अपने पोस्टर प्रेजेंट किए। कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन लिब्लिनज यूनिवर्सिटी ऑफ हेनोवर के ऑर्गेनिक केमिस्ट और केमिकल बायोलॉजिस्ट प्रोफेसर एंड्रस क्रिसचिंग ने कैंसर के ट्रीटमेंट के लिए मल्टीफंक्शनल ड्रग डिलिवरी सिस्टम की नैनोटेक्नोलॉजी पर बात की।

आईआईटी
इंदौर में
चल रही
इंटरनेशनल
कॉन्फ्रेंस
इमर्जिंग ट्रेंड्स
इन केमिस्ट्री
में विशेषज्ञों ने
जानकारी दी